JAMUNA PRASAD MEMORIAL PG COLLEGE

Affiliated to Mahatma JyotibaPhule Rohilkhand University, Bareilly (MJPRU Code: 128)

Ref. No.: JPMC/2025-26

Date: 30/01/2026

विषय: कृषि संकाय के विद्यार्थियों द्वारा उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत भैरपुरा खजुरिया गांव में वर्मीकंपोस्ट बनाने की प्रक्रिया जानी एवं निर्माण किया।

जमुना प्रसाद मेमोरियल कॉलेज के कृषि संकाय के विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जैविक कृषि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत भैरपुरा खजुरिया गांव में वर्मीकंपोस्ट तैयार की गई। यह गतिविधि विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने तथा सतत कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करने के लिए आयोजित की गई।वर्मीकंपोस्ट निर्माण की प्रक्रिया में जैविक अपशिष्ट जैसे गोबर, फसल अवशेष एवं रसोई कचरे का उपयोग किया गया। केंचुओं की सहायता से इन अपशिष्ट पदार्थों को पोषक तत्वों से भरपूर जैविक खाद में परिवर्तित किया गया। पूरी प्रक्रिया की निगरानी कृषि संकाय के शिक्षकों द्वारा की गई, जिससे विद्यार्थियों को वैज्ञानिक एवं तकनीकी जानकारी प्राप्त हुई।तैयार की गई वर्मीकंपोस्ट मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, फसलों की गुणवत्ता सुधारने तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में सहायक है। इस गतिविधि से विद्यार्थियों में आत्मनिर्भरता, पर्यावरणीय जिम्मेदारी एवं जैविक खेती के प्रति रुचि विकसित हुई। वर्मी कंपोस्ट निर्माण के लिए न्यूनतम 60 दिन का समय लगता है इस गतिविधि में विद्यार्थियों ने गांव जाकर समय-समय पर वर्मी कंपोस्ट की पूर्ण प्रक्रिया को जाना और गांव के किसानों को उनके गुना से अवगत कराया तड़प्रांत वर्मी कंपोस्ट को पैक कर विद्यार्थियों ने गांव में निशुल्क वितरण किया जिससे किसानों को आज भाषण दिया की वर्मी कंपोस्ट के उपयोग से उत्पादन दर अवश्य बढ़ेगी ।अंततः यह पहल न केवल शैक्षणिक दृष्टि से उपयोगी रही, बल्कि किसानों और समाज को जैविक खाद के महत्व का संदेश देने में भी सफल रही। भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों को और अधिक व्यापक स्तर पर आयोजित किए जाने की आवश्यकता है। यह जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया विद्यार्थियों ने 1 नवंबर 2025 से 15 जनवरी 2026 तक पूर्ण की इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज कांडपाल उन्नत भारत अभियान के कोऑर्डिनेटर विभाग के विभाग अध्यक्ष समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की।

30/01/2026

अमरीश कुमार
कोऑर्डिनेटर
उन्नत भारत अभियान
जेपीएम कॉलेज बरेली
8899484668, 9149232322
उत्तर प्रदेश

Academic Cordinator
Jamuna Prasad Memorial College
Nainital Road Bareilly

/01/30 16:24

वर्मीकंपोस्ट निर्माण के लिए छायादार, हवादार एवं जल निकास युक्त स्थान का चयन किया जाता है। वर्मीकंपोस्ट बनाने हेतु **निम्न** जैविक अपशिष्ट उपयोग में लाए जाते हैं—सड़ा हुआ गोबर फसल अवशेष (पुआल, सूखी पत्तियाँ) सब्जी एवं रसोई कचरा कागज या भूसा। सभी जैविक अपशिष्टों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर 10–15 दिन तक सड़ाया जाता है ताकि गर्मी निकल जाए और केंचुओं को नुकसान न हो। **बेस लेयर बनाना** बेड में सबसे नीचे सूखी पत्तियाँ, भूसा या पुआल की 5–7 सेमी मोटी परत डाली जाती है। इसके ऊपर सड़ा हुआ गोबर फैलाया जाता है।

केंचुओं का चयन एवं छोड़ना उपयुक्त केंचुए जैसे—Eisenia foetida को बेड में समान रूप से छोड़ा जाता है।

नमी बनाए रखना

बेड में 60–70% नमी बनाए रखने के लिए समय-समय पर पानी का छिड़काव किया जाता है। अधिक पानी भराव से बचाव किया जाता है।

गुड का घोल बना कर छिड़काव से केंचुओं की संख्या में बढ़ोतरी होती है साथ ही कंपोस्ट जल्दी तैयार होती है।

उन्नत भारत अभियान
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम
UNNAT BHARAT ABHIYAN (UBA)
a flagship program of Ministry of Education (MoE), GOI
शिक्षित भारत-स्वस्थ भारत- स्वच्छ भारत- स्वावलंबी भारत- संपन्न भारत

उन्नत भारत अभियान
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम
UNNAT BHARAT ABHIYAN (UBA)
a flagship program of Ministry of Education (MoE), GOI
शिक्षित भारत-स्वस्थ भारत- स्वच्छ भारत- स्वावलंबी भारत- संपन्न भारत

देखभाल एवं निगरानी

हर 7–10 दिन में बेड को हल्के से उलटना तापमान 20–30°C बनाए रखना चींटी, चूहे एवं पक्षियों से सुरक्षा वर्मीकंपोस्ट तैयार होना लगभग 45–60 दिन में सामग्री गहरे भूरे रंग की, दानेदार एवं मिट्टी जैसी हो जाती है, जिससे दुर्गंध नहीं आती।

उन्नत भारत अभियान
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम
UNNAT BHARAT ABHIYAN (UBA)
a flagship program of Ministry of Education (MoE), GOI
शिक्षित भारत- स्वस्थ भारत- स्वच्छ भारत- स्वावलंबी भारत- संपन्न भारत

केंचुओं को अलग करना.

तैयार खाद को ढेर बनाकर कुछ समय के लिए खुला छोड़ दिया जाता है। केंचुए नीचे चले जाते हैं और ऊपर की खाद अलग कर ली जाती है।

पैकिंग

पूरी तरह सूखने के बाद वर्मीकंपोस्ट को—

2 किग्रा

5 किग्रा

10 किग्रा

के प्लास्टिक या जूट बैग में भरा जाता है।

बैग पर उत्पादन तिथि एवं वजन अंकित किया जाता है।